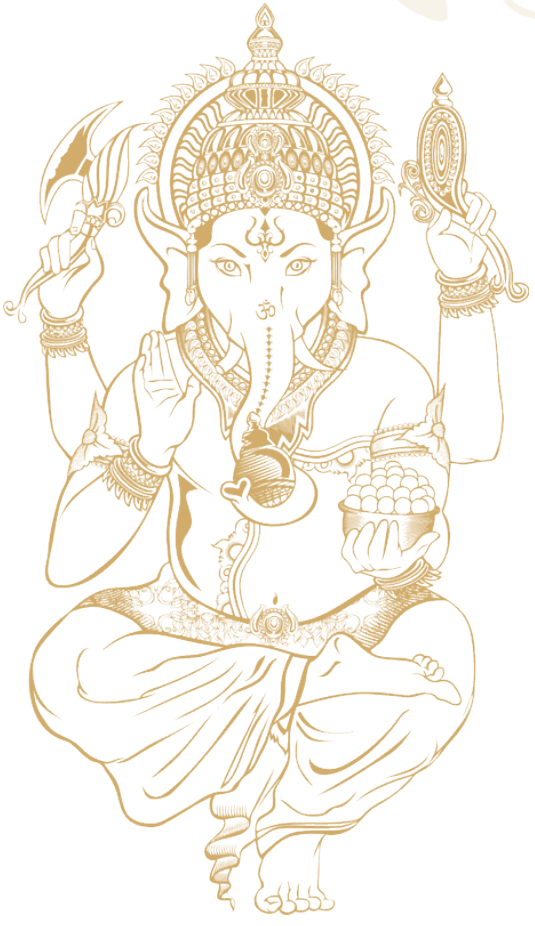

Sahil Dhanuka

23 Oct 2002

08:05 AM

Gauhati

Model: web-freekundliweb

Order No: 121144004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/10/2002**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:05:00 घंटे**
इष्ट	06:26:46 घटी
स्थान	**Gauhati**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	26:10:00 उत्तर
रेखांश	91:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:37:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:42:00 घंटे
वेलान्तर	00:15:38 घंटे
साम्पातिक काल	10:47:23 घंटे
सूर्योदय	05:30:17 घंटे
सूर्यास्त	16:48:14 घंटे
दिनमान	11:17:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:37:22 तुला
लग्न के अंश	09:14:36 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्धि
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	09:14:36	311:18:49	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
सूर्य			तुला	05:37:22	00:59:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			मेष	25:15:59	11:56:54	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	10:48:45	00:38:18	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			कन्या	21:28:20	01:36:41	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			कर्क	21:27:26	00:07:22	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र	व	अ	तुला	18:42:39	00:28:14	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	05:04:13	00:01:16	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		वृष	15:12:53	00:03:00	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	15:12:53	00:03:00	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	01:04:44	00:00:36	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:18:20	00:00:05	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:53:05	00:01:43	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			सिंह	16:26:25	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:29

लग्न-चलित

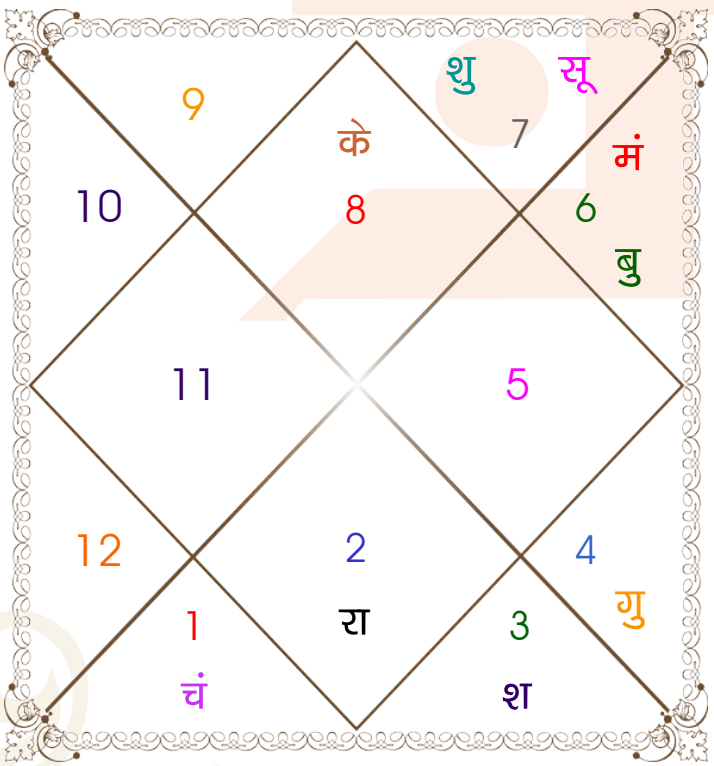

चन्द्र कुंडली

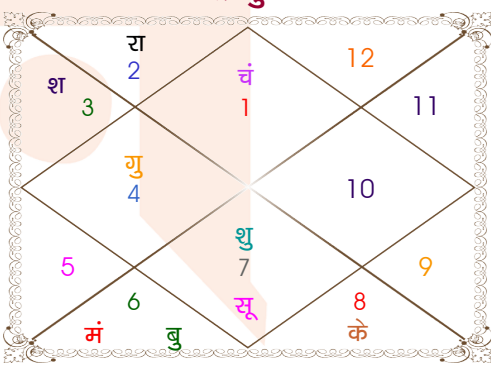

नवमांश कुंडली

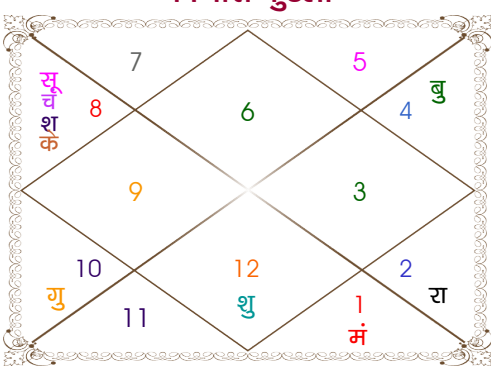

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 1 मास 6 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/10/2002		**28/11/2004**		**29/11/2010**		**28/11/2020**		**29/11/2027**	
28/11/2004		**29/11/2010**		**28/11/2020**		**29/11/2027**		**28/11/2045**	
	00/00/0000	सूर्य	18/03/2005	चंद्र	29/09/2011	मंगल	26/04/2021	राहु	11/08/2030
	00/00/0000	चंद्र	16/09/2005	मंगल	29/04/2012	राहु	15/05/2022	गुरु	04/01/2033
	00/00/0000	मंगल	22/01/2006	राहु	29/10/2013	गुरु	21/04/2023	शनि	11/11/2035
	00/00/0000	राहु	17/12/2006	गुरु	28/02/2015	शनि	29/05/2024	बुध	30/05/2038
	00/00/0000	गुरु	05/10/2007	शनि	28/09/2016	बुध	27/05/2025	केतु	17/06/2039
	00/00/0000	शनि	16/09/2008	बुध	28/02/2018	केतु	23/10/2025	शुक्र	17/06/2042
	23/10/2002	बुध	23/07/2009	केतु	29/09/2018	शुक्र	23/12/2026	सूर्य	12/05/2043
बुध	29/09/2003	केतु	28/11/2009	शुक्र	29/05/2020	सूर्य	30/04/2027	चंद्र	10/11/2044
केतु	28/11/2004	शुक्र	29/11/2010	सूर्य	28/11/2020	चंद्र	29/11/2027	मंगल	28/11/2045

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/11/2045		**28/11/2061**		**28/11/2080**		**28/11/2097**		**29/11/2104**	
28/11/2061		**28/11/2080**		**28/11/2097**		**29/11/2104**		**00/00/0000**	
गुरु	17/01/2048	शनि	01/12/2064	बुध	27/04/2083	केतु	26/04/2098	शुक्र	31/03/2108
शनि	30/07/2050	बुध	11/08/2067	केतु	23/04/2084	शुक्र	27/06/2099	सूर्य	31/03/2109
बुध	04/11/2052	केतु	19/09/2068	शुक्र	22/02/2087	सूर्य	01/11/2099	चंद्र	30/11/2110
केतु	11/10/2053	शुक्र	20/11/2071	सूर्य	29/12/2087	चंद्र	02/06/2100	मंगल	30/01/2112
शुक्र	11/06/2056	सूर्य	01/11/2072	चंद्र	30/05/2089	मंगल	30/10/2100	राहु	29/01/2115
सूर्य	30/03/2057	चंद्र	02/06/2074	मंगल	27/05/2090	राहु	17/11/2101	गुरु	29/09/2117
चंद्र	30/07/2058	मंगल	12/07/2075	राहु	13/12/2092	गुरु	24/10/2102	शनि	29/11/2120
मंगल	06/07/2059	राहु	18/05/2078	गुरु	21/03/2095	शनि	03/12/2103	बुध	24/10/2122
राहु	28/11/2061	गुरु	28/11/2080	शनि	28/11/2097	बुध	29/11/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 1 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्या राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। यह नक्षत्रीय समन्वयन इसका सूचक है कि आप वैदेशिक यात्रा करेंगे। यदि आप अपने कार्य कुशलता को समुचित रूप से प्रस्तुत किया तो ऐसी आशा है कि आपको विदेश में पुनर्वासित होने का सौभाग्य प्राप्त हो सकता है। सामान्यतया यह अस्थिरता का प्रतीक है कि आप अनेको बार वैदेशिक भ्रमण करेंगे क्योंकि आपमें अत्यंत ही भ्रमण करने की लालशा विद्य मान है।

आपका जनसामान्य के साथ अपरिवर्तनीय कपट पूर्ण व्यवहार होता रहेगा। आप प्रसन्नचित मुद्रा में अति मधुर भाषा में महत्वपूर्ण बाते करेंगे। आप सदैव विभिन्न प्रकार से अनेक मनोदशा से युक्त हृदय को संतुष्ट करने वाली बातें करेंगे। आप किसी भी व्यक्ति के साथ व्यवसायिक व्यवहार से ऊपर उठने अर्थात् उन्नति करने के उद्देश्य से बात करने के पश्चात यह महसूस करते हैं।

आप अपनी व्यवसायिक उन्नति एवं अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए किसी भी प्रकार का आचरण कर किसी भी हद तक जा सकते हैं।

आप सांसारिक सुखों की प्राप्ति एवं प्रसन्नता हेतु अच्छी प्रकार से विज्ञ हैं। आप अपने लाभदायक उपलब्धि हेतु तथा धन संचय हेतु अपने संबंधित व्यक्तियों को व्यवहार में लाएंगे। एक बार यदि धन प्राप्ति में सफल हो गए तो पुनः अपने संबंधी अथवा मित्रों को किसी भी प्रकार से सहायता करने में कोई अनिच्छा नहीं दिखाएंगे।

व्यवसायों में आपके लिए अनुकूल पेशा फिल्म अभिनेता, माइनिंग अभियंत्रिकी का पद उत्तम एवं लाभप्रद होगा। आप कृषि कार्य, कृषि उत्पादन एवं तेल इंजिन आदि का व्यवसाय करेंगे।

आप सदैव अपने परिवार की अच्छी सेवा किस तरह से किया जाए। ऐसा चिंतन करते हैं। आप किसी भी प्रकार की दुर्भावनाओं को त्याग कर अनेक प्रकार से अतिरिक्त समय निकाल कर अपने पारिवारिक सदस्यों की प्रसन्नता देना ही अपना लक्ष्य समझेंगे। आप एक समझदार, सहायक पत्नी एवं उदीयमान संतान को प्राप्त करने के संबंध में भाग्यशाली हैं। यदि आप अपने लिए जीवन संगिनी का चयन करना चाहें तो जिस जातक का जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, मकर, वृष तथा कन्या राशि में हुआ हों उनके साथ आपका सामंजस्य पूर्ण जीवन व्यतीत हो सकता हैं।

आप परिष्कृत ढंग से किसी भी प्रकार की कपटपूर्ण युक्ति में विश्वास रखते हो। इस प्रकार आप अपने धन का थोड़ा बहुत अंश भी अपव्यय कर दिए तो परिणाम स्वरूप आपको धन का अभाव हो जाएगा। अतः कुछ भी बचत करना चाहिए। यदि आप अपने अतिरिक्त अपव्ययकारी आदतों का त्याग नहीं कर सकें तो आपके बैंक में यथेष्ठ धन जमा नहीं हो

सकेगा।

आपके लिए अनुकूल व्यवसाय इंजिनीयरिंग, कृषि कार्य, चर्मोउद्योग एवं तेल इंजिन का कार्य व्यवसाय आदि लाभकारी प्रतीत होता है। उपरोक्त व्यवसायों में अपनी अभिरूचि के अनुसार व्यवसाय का चयन कर सकते हैं। इन व्यवसायों में जिस व्यवसाय से आप संबंधित हैं उसे भी करते रहने से लाभ होगा। यदि आप अभिनय के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त करें अथवा साहस करे तो यह कार्य भी अनुकूल हैं। वैसे स्वर्ण माइंस का कार्य अथवा स्वर्ण जेवरात बनाने का कार्य भी कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु कुछ वर्षो के बाद ऐसी आशंका है कि आप कुछ रोगों से आक्रांत हो सकते है। यथा ग्रंथि रोग एवं अनिंद्रा रोग का दुष्प्रभाव पड़ सकता है। अस्तु आपको पहले ही सुरक्षात्मक कदम उठाना उत्तम है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में लाभदायक एवं समय को अनुकूल बनाने वाला अंक 1, 2, 3, 4, 7 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक त्यागनीय है।

आपके लिए रंगों में सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुकूल नहीं हैं। स्पष्टतः आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी, एवं क्रीम रंग अनुकूल एवं मनभावन है।